आध्यात्मिक सशक्तिकरण मीडिया की प्रथम प्राथमिकता

अमरावती जिला स्तरीय मीडिया सम्मेलन-2016

शब्द की उत्पत्ति ब्रह्म से, शब्द ही हमारा सबकुछ

अमरावती-महा.। 'आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा समाज में परिवर्तन हेतु मीडिया की भूमिका' विषय को लेकर विश्व परिवर्तन भवन,अमरावती में जिला स्तरीय एक दिवसीय मीडिया सम्मेलन का आयोजन हुआ। जिसमें पूरे जिला के लगभग एक सौ पचास मीडिया कर्मियों ने भाग लिया। इसमें जिला कलेक्टर, म्युनिसिपल कमिश्नर, दैनिक हिन्दुस्तान न्यूज़ पेपर के मुख्य संपादक मराठे, अमरावती उपक्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. सीता तथा इस सम्मेलन के लिए प्रमुख रूप से आये माउण्ट आबू से ओमशान्ति मीडिया के संपादक ब्र.कु. गंगाधर तथा दिल्ली से वरिष्ठ पत्रकार ब्र.कु. अनुज भी उपस्थित थे।

सम्मेलन के पश्चात् समूह चित्र में दैनिक हिन्दुस्तान न्यूज़ पेपर के मुख्य संपादक मराठे, ब्र.कु. गंगाधर, ब्र.कु. अनुज, ब्र.कु. सीता तथा पत्रकारगण।

ब्र.कु. गंगाधर ने कहा कि जब हम आध्यात्मिक रूप से सशक्त होंगे तभी हमारी कलम में ताकत आयेगी। ये कलम की ताकत सबसे पहले अपने आपको सशक्त करेगी, फिर उससे जो लिखा जाएगा, उससे समाज में निश्चित रूप से परिवर्तन आयेगा। समाज हमारी तरफ बहुत ही प्यासी नज़रों से देख रहा है, और हम पत्रकार बंधुओं के पास एक ऐसा साधन है जिससे हम घर-घर तक अपने दिल की बात, साथ-साथ लोगों के मन की बातों को समझकर उसे लिपिबद्ध कर सकते हैं।

ब्र.कु. अनुज ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ पर बहुत बड़ी ज़िम्मेवारी है। वो ज़िम्मेवारी सिर्फ प्रोफेशनल बनने से पूरी नहीं होगी। उसके लिए हमें व्यवहारिक रूप से अपने आपको उस स्थान पर रखकर देखना होगा। हमारे शब्द से लोग आहत न हों, क्योंकि जो हम लिखते हैं, उससे हमारे पास उसका पारिश्रमिक आता है, और उस पैसे से हमारा घर चलता है। लेकिन आपके शब्दों से, आपकी कलम से यदि कोई आहत होगा तो उसके वायब्रेशन्स आपके घर तक आयेंगे। 'छोटे शहर का अखबार हूँ, सच लिखता हूँ इसलिए कम बिकता हूँ' के पदचिन्हों पर आपको चलना होगा। आप जीवन में यदि खुश होकर कर्म करेंगे तो सबको खुशी मिलेगी।

दैनिक हिन्दुस्तान के संपादक मराठे ने कहा कि आज हम इस समाज में नई पहल करने हेतु इकट्ठे हुए हैं। इस दिशा में हमारा मार्गदर्शन करने हेतु जो ब्रह्माकुमारीज़ का सहयोग मिला है वो बहुत ही सराहनीय है। हम निश्चित रूप से अपने अंदर परिवर्तन करके समाज में कुछ नया अवश्य करेंगे।

मीडिया सम्मेलन के सत्र के बाद एक से डेढ़ घंटे का एक और सत्र हुआ, जिसमें मोटिवेशनल ट्रेनर ब्र.कु. अनुज ने सारे मीडिया कर्मियों को राजयोग की जीवन में भूमिका तथा उसे अपनी दिनचर्या में कैसे शामिल करें पर प्रकाश डाला। मीडिया कर्मियों ने इस सत्र को बहुत सराहा तथा तीन दिन का राजयोग मेडिटेशन कोर्स करने का भी संकल्प लिया।

क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. सीता ने सभी मीडिया कर्मियों को शॉल तथा प्रसाद देकर उनका अभिनंदन किया।

ब्रह्माकुमारियों ने ही रखी प्रथम वैश्विक कल्याण की नींव

मीडिया सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए प्रो. कमल दीक्षित, ब्र.कु. बीना, ब्र.कु. सुशांत, ए.सूर्यप्रकाश, ब्र.कु. करुणा, ए.एस. राजाराम, ब्र.कु. आसपी तथा अन्य।

चेन्नई। आज लोगों के जीवन से प्रेम, शांति, सद्भावना का लोप हो गया है। इसकी पूर्ति के लिए ब्रह्माकुमारियाँ अनेक वर्षों से प्रशिक्षण देती आ रही हैं। राजयोग के अभ्यास से जीवन प्रेम और शांति से भर जाता है। मैं तो कहता हूँ कि ब्रह्माकुमारियों ने ही वैश्विक कल्याण करने की शुरुआत की है। उक्त विचार प्रसार भारती के अध्यक्ष ए.सूर्यप्रकाश ने ब्रह्माकुमारीज़ के मीडिया प्रभाग तथा तमिलनाडु ज़ोन के संयुक्त तत्वावधान में अखिल भारतीय मीडिया सम्मेलन के आयोजन में व्यक्त किये। जिसमें लगभग सात सौ मीडिया कर्मियों ने भाग लिया। 'ब्रह्माकुमारियाँ नि:स्वार्थ सेवा की एक मिसाल हैं। हमने ये सारा मुख्यालय आबू पर्वत पर अनुभव किया है'

- आई.ए.एस. श्री राजाराम।

'वैश्विक कल्याण की कामना को लेकर यह संस्था कार्यरत है। एक ईश्वर और एक ईश्वरीय परिवार के सत्य को लेकर तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए यह संस्था कार्यरत है ' **- ब्र.कु. करुणा, अध्यक्ष, मल्टीमीडिया,ब्रह्माकुमारीज़।**

इस अवसर पर वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. कलावति, तमिलनाडु ज़ोन की प्रभारी ब्र.कु. बीना ने भी अपने आशीर्वचन इस मीडिया कार्यक्रम के प्रति दिये। ब्र.कु. शांतनु तथा अन्य अखबारों के संपादकों ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पर आई.आई.एस. के अतिरिक्त महानिदेशक मुत्थु कुमार, केन्द्रीय सूचना परिषद के डॉ. आर. रामसुब्बा, त्रिची दिनामलार के संपादक वसंतवलं भी उपस्थित थे ।

शांतिवन में नर्सिंग कर्मियों का त्रिदिवसीय महासम्मेलन

भारत तथा नेपाल के चार हज़ार नर्सिंग कर्मियों ने लिया भाग नि:स्वार्थ सेवा का लिया संकल्प

शांतिवन। 'यहाँ आकर एक ऐसी ऊर्जा का संचार होता है जिससे आनेवाला हर कोई इन तरंगों को अपने भीतर महसूस करता है। यहाँ पर सेवा भावना और एक दूसरे के प्रति सम्मान भाव की झलक दिखाई देती है। इसीलिए आज मुझे बहुत खुशी है कि नर्सिंग कर्मियों के सम्मेलन का आयोजन ऐसे शुद्ध वातावरण के मध्य आयोजित किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि सेवा भाव क्या होता है ये यहाँ से ही सीखने को मिलता है। उन्होंने आगे कहा कि नर्सिंग कर्मियों को नि:स्वार्थ सेवा भाव अपने जीवन में अंगीकार करना चाहिए, ऐसी अपील भी की। साथ-साथ यहाँ के वातावरण का लाभ लेकर सीख के जाएंगे, ऐसी हिदायत भी दी' **- भारतीय सरकार के केन्द्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते।**

'मुझे खुशी है कि इतनी बड़ी संख्या में आप यहाँ एकत्र हुए हैं। मैं चाहती हूँ कि आप लोग यहाँ से जाएँ, तो अपने साथ अच्छे वायब्रेशन्स लेकर जाएँ। साथ ही दादी ने कहा कि अपने मन को खुश रखने के लिए अपनी जीवनचर्या में मेडिटेशन को शामिल करेंगे, तभी आपको

- शेष पेज 7 पर...

भारत तथा नेपाल से आये नर्सिंग कर्मियों को सम्बोधित करते हुए फग्गन सिंह कुलस्ते। मंचासीन हैं डॉ. गिरीश पटेल, डॉ. मिड्ढा, ब्र.कु. डॉ. निरंजना, डॉ. अशोक मेहता, दादी जानकी,तथा ब्र.कु. निर्वैर।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088,
Email- omshantimedia@bkivv.org, mediabkm@gmail.com, Website- www.omshantimedia.info
सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 13th Oct 2016
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।